ईवी चार्जिंग @ 18.94 रुपये प्रति यूनिट

पर्यावरण संरक्षण के लिए एलडीए की पहल उच्च तकनीक के चार्जर बढ़ाए जाएंगे

गोविन्द मिश्र • जागरण

03 पार्कों में मिल रही अभी ईवी चार्जिंग की सुविधा

20 स्थानों पर जल्द शुरू होगी यह व्यवस्था

4.25 रुपये प्रति यूनिट एलडीए को मिलेगा भुगतान

03 प्वाइंट पर छह कार एक साथ हो सकेंगी चार्ज

60 किलोवाट के लगाए गए हैं फास्ट चार्जर

01 घंटे में हो जाएगी 80 प्रतिशत तक चार्जिंग

लखनऊ : पर्यावरण संरक्षण का ख्याल रखना है तो इलेक्ट्रिक वीकल को भी बढ़ावा देना होगा। सरकार की प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए लखनऊ विकास प्राधिकरण ने भी इस तरफ तेजी से कदम बढ़ाए हैं। यही वजह है कि एलडीए 20 स्थानों पर ईवी चार्जिंग की सुविधा देगा। इसके लिए लोगों को 18.94 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से भुगतान करना होगा। अभी तीन पार्कों में एलडीए ने पीपीपी माडल पर यह सुविधा आमजन को दी है। लोग इसको पसंद भी कर रहे हैं, ऐसे में इसके विस्तार की योजना है।

चार दिसंबर को लखनऊ विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग को लेकर भी प्रस्ताव शामिल किया गया था। यह प्रस्ताव राजधानी में ईवी चार्जिंग नेटवर्क को और बेहतर करने का था। दरअसल, इलेक्ट्रिक वीकल को लेकर लोगों की सोच बदली है, लेकिन अगर लोग हिचकते हैं तो उसके पीछे सबसे बड़ा कारण चार्जिंग नेटवर्क ही है। पिछले दिनों जनेश्वर मिश्र पार्क के गेट नंबर पांच, छह और सात पर अत्याधुनिक तकनीक के चार्जर फिनलैंड से मंगवाकर लगवाए गए हैं। इससे कम समय में ईवी चार्ज हो जाती है। पीपीपी माडल पर चार्जर लगाने वाली कंपनी का दावा है कि लखनऊ में लगने वाला यह उच्च तकनीक का पहला चार्जर है। इसके अलावा लोहिया पार्क के गेट नंबर तीन और ज्योतिबा फूले सेंट्रल पार्क के गेट नंबर पांच पर भी चार्जर लगाए गए हैं।

जनेश्वर मिश्र पार्क में लगे ईवी चार्जर • एलडीए

एप की सुविधा से चार्जिंग आसान

ईवी की चार्जिंग के लिए निजी कंपनी एप की सुविधा देगी। इसके लिए लोगों को अपने मोबाइल में ग्लिडा कंपनी का एप प्ले स्टोर से डाउनलोड करना होगा। उसके जरिये चार्जिंग स्लाट बुक कर सकेंगे। इसके अलावा भुगतान भी कर सकेंगे। जिनके पास एप नहीं होगा वे क्यूआर कोड के जरिये भी बिल दे सकेंगे।

प्रदूषण को कम करने में इलेक्ट्रिक वीकल महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्राधिकरण भी पर्यावरण संरक्षण के साथ ही लोगों को बेहतर सुविधा देने के लिए प्रयासरत है। इसी के मद्देनजर राजधानी में ईवी चार्जर लगाए जा रहे हैं।

– प्रथमेश कुमार, उपाध्यक्ष, लविप्रा

जरूरत के हिसाब से चार्ज होंगे वाहन : कंपनी के एक अधिकारी का दावा है कि 200 किलोवाट के चार्जर में छह डीसी और तीन एसी चार्जर हैं। इसमें एक साथ नौ वाहनों को चार्ज किया जा सकता है। इसमें छह कार और तीन दोपहिया या तिपहिया चार्ज किए जा सकते हैं। खास बात यह है कि चार्जर जिस गाड़ी को जितनी आवश्यकता होगी, उसी के हिसाब से उसे चार्ज भी करेंगे। दो गाड़ियां चार्जिंग के लिए लगी हैं तो जो कम चार्ज होगी, उसे ज्यादा और जो ज्यादा चार्ज होगी उसे थोड़ा कम सप्लाई मिलेगी। दावा है कि एक घंटे में 80 प्रतिशत तक वाहन चार्ज हो जाएंगे। पावरफुल बैटरी पैक वाली गाड़ियां कम समय में चार्ज होंगी।